इन्नालील्लाही व इन्नाइलयही राजिउन की फजीलत

शैख मुहम्मद इशाक मुलतानी.

नोट: आप से दरखास्त है की इसे भाषा या ग्राम्मर का अदब ना समझे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

हजरत सअद बिन जुबेर(रदी) फरमाते हे इन्ना लील्लाही व इन्ना इलयही राजिउन पढने की हिदायत सिर्फ इस उम्मत को की गई, इस नेमत से पहली उम्म्ते अपने नबियो के साथ मेहरूम थी.

एक मरतबा नबी करीम ﷺ के जूते की लेस तूट गया, आप ﷺ ने इन्ना लील्लाही व इन्ना इलयही राजिउन पढा, सहाबा(रदी) ने पूछा या रसुलल्लाह! ये भी मुसीबत हे नबी करीम ﷺ ने फरमाया कि मोमीन को जो भी मामला उसकी तबियत के खिलाफ पोहचता हे वो मुसीबत हे.

हजरत इबने अब्बास(रदी) से रिवायत हे नबी करीम ﷺ ने फरमाया कि जिसने मुसीबत के वकत इन्ना लील्लाही व इन्ना इलयही राजिउन पढा, तो अल्लाह उसकी मुसीबत की भरपाई कर देगे, और उसकी आखिरत अच्छी कर देगे, और उसे गुम-शुदा

चीझ के बदले मे अच्छी चीझ अता फरमायेगे.

मुसनदे अहमद मे हजरत अली(रदी) से रिवायत हे नबी करीम ﷺ ने फरमाया कि जिस किसी मुसल्मान को कोई मुसीबत पहुचे और उसपर चाहे ज्यादा वकत गुजर जाये, फिर उसे याद आये और वो इन्ना लील्लाही व इन्ना इलयही राजिउन पढले, तो मुसीबत के वकत जो सवाब मिला था वो अब भी मिलेगा.

इबने माजा मे हे कि हजरत अबु सिनान(रदी) फरमाते हे मेने अपने एक बच्चे को दफन किया अभी मे उसकी कबर से निकला ही था कि अबु तलहा खोलानी ने मेरा हाथ पकड कर मुझे निकला और कहा कि सुनो मे तुम्हे खुशखबरी सुनावु, नबी करीम ﷺ ने फरमाया हे कि अल्लाह मलेकुल मौत से पूछते हे तुने मेरे बन्दे की आखो की ठडक और उस्के कलेजे का टुकडा छीन लिया, बता उसने किया कहा? वो कहते हे कि ऐ अल्लाह आपकी तारीफ की, और इन्ना लील्लाही व इन्ना इलयही राजिउन पढा, अल्लाह फरमाते हे कि उस्के लिये जन्नत मे एक घर बनावो और उसका नाम बैतुल हमद रखो. (तफसीर इबने कसीर)

हवाला: एक हज़ार अनमोल मोती उर्दु से मज़मून का खुलासा लिप्यान्तरण किया गया हे.